भारत ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन परिषद के 134वें सत्र (लंदन) में समुद्री सुरक्षा और लैंगिक समावेशिता का उल्लेख किया

- भारत ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) से कंटेनर जहाजों से जुड़ी ऐसी सभी घटनाओं की व्यापक जांच और वैश्विक समीक्षा करने का आग्रह किया।

- समुद्र में जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल की सक्रिय भूमिका का हवाला देते हुए, भारत ने कंटेनर शिपिंग के लिए सुरक्षा ढांचे में तत्काल सुधार का आह्वान किया।
- भारतीय वक्तव्य में लिथियम-आयन बैटरियों और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री परिवहन महामंडल (आईएमडीजी) कार्गो की पैकेजिंग, घोषणा, भंडारण और निगरानी से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

लैंगिक समावेशन रणनीति

- भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 25 नवंबर 2024 को नौवहन महानिदेशालय द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय पहल "सागर में सम्मान" (समुद्र में सम्मान) पर प्रकाश डाला।

- इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के विज़न@2047 और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के रणनीतिक उद्देश्यों के अनुरूप, समुद्री यात्रा से लेकर नेतृत्वकारी भूमिकाओं तक महिलाओं को सशक्त बनाकर एक सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी समुद्री इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है।
- भारत ने भारतीय महिला नाविकों की संख्या में 650 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि की उपलब्धि को गर्व के साथ साझा किया, जो समुद्री क्षेत्र में समान अवसर पैदा करने के लिए देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।